

निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का निष्पादन : 2016-17 से ति3 : 2017-18*

गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) सूचीबद्ध कंपनियों ने विनिर्माण क्षेत्र के कार्य-निष्पादन में सुधार होने के कारण 2016-17 में बहाली दर्शायी तथापि, सेवा क्षेत्र में कंपनियों (सूचना प्रौद्योगिकी को (आईटी) छोड़कर) द्वारा घाटा वहन करने के कारण सकल निष्पादन के संबंध में अवरोध बना रहा। विनिर्माण कंपनियों द्वारा डीलीवरेजिंग करने से इस क्षेत्र में अचल संपत्तियों का निर्माण कम हुआ।

1. प्रस्तावना

भारत में स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध कंपनियों के अनिवार्य वित्तीय विवरण, कॉर्पोरेट क्षेत्र को पेश आ रही कारोबारी स्थितियों के बारे में जानकारी का समृद्ध स्रोत होते हैं। इन तिमाही विवरणों का विश्लेषण समय पर प्रमुख निष्पादन मानकों के संबंध में संकेत प्रदान करता है। समष्टि आर्थिक परिप्रेक्ष्य में, समग्र कॉर्पोरेट बिक्री, अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति दर्शाती है। वस्तुओं के अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मूल्यों में होने वाले उतार-चढ़ाव से प्रभावित कच्चे माल की लागत इन कंपनियों को पेश आ रहे इनपुट लागत दबावों को दर्शाती है। इसी तरह, कर्मचारियों की लागत कारोबार प्रतिस्पर्धात्मकता का एक प्रमुख निर्धारक है और उत्पादन की प्रति इकाई पर कर्मचारियों की लागत, श्रम उत्पादकता का एक उचित सुदृढ़ संकेतक है। निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र में योजित सकल मूल्य (जीवीए1) संबंधी तिमाही आकलनों का फौरी पूर्वानुमान (नाउकॉस्ट) व्यक्त करने के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) दरअसल, सूचीबद्ध कंपनियों की तिमाही आय के संक्षिप्त परिणामों का उपयोग करता है जबकि निवेश की प्रवृत्ति को समझने के महत्वपूर्ण संकेत वित्तेतर कॉर्पोरेट क्षेत्र के पूंजीगत व्यय से मिलते हैं। कीमत निर्धारण शक्ति का एक महत्वपूर्ण पैमाना इन कॉर्पोरेट कंपनियों का लाभ मार्जिन होता है, जिसका मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर प्रभाव पड़ता है। कॉर्पोरेट लीवरेज तथा ऋण चुकौती क्षमता संबंधी जानकारी के मुकाबले

यह आलेख सांख्यिकीय और सूचना प्रबंध विभाग के कॉर्पोरेट अध्ययन प्रभाग में तैनात श्री अनुजीत मित्रा के मार्गदर्शन में श्री कश्यप गुप्ता और श्री सप्तऋषि घोषाल द्वारा तैयार किया गया है। इस आलेख में प्रस्तुत दृष्टिकोण लेखकों के हैं और वे भारतीय रिज़र्व बैंक के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

¹ जीवीए कर पूर्व आमदनी और ब्याज, मूल्यहास और मजदूरी/वेतन के प्रति किए गए भुगतान का जोड़ है।

उल्लेखनीय एक्सपोजर वाली वित्तीय संस्थाओं की चलनिधि और ऋण-शोधन क्षमता के संकेतकों से निकाले गए जोखिम प्रोफाइल आकलन, प्रणालीगत परिप्रेक्ष्य से वित्तीय स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए उपयोगी होते हैं।

वैश्विक वित्तीय संकट की समयावधि से विभिन्न एजेंसियों जैसे कि अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष (आईएमएफ) ने अपने वैश्विक वित्तीय स्थिरता के अनुमान (आईएमएफ, 2017) में कॉर्पोरेट क्षेत्र के विश्लेषण और अन्य क्षेत्रों के साथ अंतर-संबंधों को एकीकृत किया है। बैंक द इटालिया की हालिया वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट वित्तेतर कॉर्पोरेट क्षेत्र की लाभप्रदता और कर्ज चुकौती क्षमता को प्रस्तुत करती है जो कि कंपनियों के बड़े नमूनों की वित्तीय रिपोर्टों पर आधारित है (बैंक द इटालिया, 2017)। चीन में सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों का विस्तार पूर्वक विश्लेषण हाल ही में रिज़र्व बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया द्वारा किया गया है जिसमें वित्तीय उपायों में होने वाले संचरण चीन की अर्थव्यवस्था में पेश आ रही व्यापक परिस्थितियों के अनुरूप ही काफी निकट हैं (रिज़र्व बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया, 2017)। विभिन्न केन्द्रीय बैंकों द्वारा कॉर्पोरेट निष्पादन के वार्षिक विस्तृत विश्लेषण भी प्रकाशित किए गए हैं (उदाहरण के लिए, ड्यूश बंड्स बैंक, 2017)।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) 1950 से निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के विश्लेषण की परंपरा का निर्वाह करता रहा है (आरबीआई, 2011)। अभी हाल में, कॉर्पोरेट क्षेत्र के विश्लेषण को और अधिक तरजीह मिलने लगी है क्योंकि भारतीय लेखा मानकों को वैश्विक रूप से स्वीकार्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों (आइएफआरएस) के साथ सुसंगत बनाने की प्रतिबद्धता 2009 में संपन्न जी20 शिखर सम्मेलन में की गई थी। नए लेखा मानकों को संघीय बजट, 2014-15 में प्रस्तावित किया गया और 16 फरवरी 2016 को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने इसे 'कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली, 2015' (इंड-एएस) के रूप में अधिसूचित कर दिया था जो सभी सूचीबद्ध कंपनियों के कॉर्पोरेट वित्तीय विवरणों हेतु 1 अप्रैल 2017 से लागू हो गया है (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, 2016)। इंड-एएस, भारतीय सामान्यतया स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और आइएफआरएस के बीच सुसंगतता बनाने का प्रयास है।

यह आलेख 2016-17 के दौरान निजी (वित्तेतर) कॉर्पोरेट क्षेत्र के निष्पादन की समीक्षा 3,007 सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों की कमाई संबंधी परिणामों के आधार

पर करता है। भारतीय कॉर्पोरेट्स की जोखिम प्रोफाइल और निधियों के स्रोतों एवं उपयोगों का अध्ययन करने के लिए इन कंपनियों के गैर-लेखापरीक्षित तुलन-पत्रों का उपयोग किया गया है। शेष आलेख पांच खंडों में तैयार किया गया है। खंड 2 चुनिंदा मानदंडों के संदर्भ में कॉर्पोरेट निष्पादन की समीक्षा करता है, इन कॉर्पोरेट्स की जोखिम प्रोफाइल का विश्लेषण करता है, विनिर्माण क्षेत्र द्वारा निधियों के स्रोतों और उपयोग की समीक्षा करता है और 2017-18 में अब तक कॉर्पोरेट निष्पादन को प्रस्तुत करने के साथ उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आधार पर मांग परिदृश्य का परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करता है। खंड 3 भारी ऋण-ग्रस्त कंपनियों के निष्पादन और क्षमता उपयोग की अवस्थिति एवं निवेश पैटर्न में कर्ज चुकौती को ध्यान में रखते हुए कॉर्पोरेट जोखिम प्रोफाइल का विश्लेषण करता है। खंड 4 हाल की अवधि में विनिर्माण कंपनियों को पेश आ रहे इनपुट लागत दबावों के संबंध में गंभीर विवेचना करता है। खंड 5 कुछ समापन टिप्पणियों का उल्लेख करता है। इस आलेख में उपयोग में लाए गए आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics#!2_42 पर उपलब्ध हैं।

2. कॉर्पोरेट कार्य-निष्पादन

2016-17 के दौरान चुनिंदा कंपनियों की बिक्री में वृद्धि हुई परंतु इसका मुख्य कारण कीमतों में वृद्धि होना रहा न कि मांग में तेजी आना - पिछले चार वर्षों से 'वास्तविक' बिक्री स्थिर बनी हुई है (चार्ट 1)। कच्चे माल की कीमतों

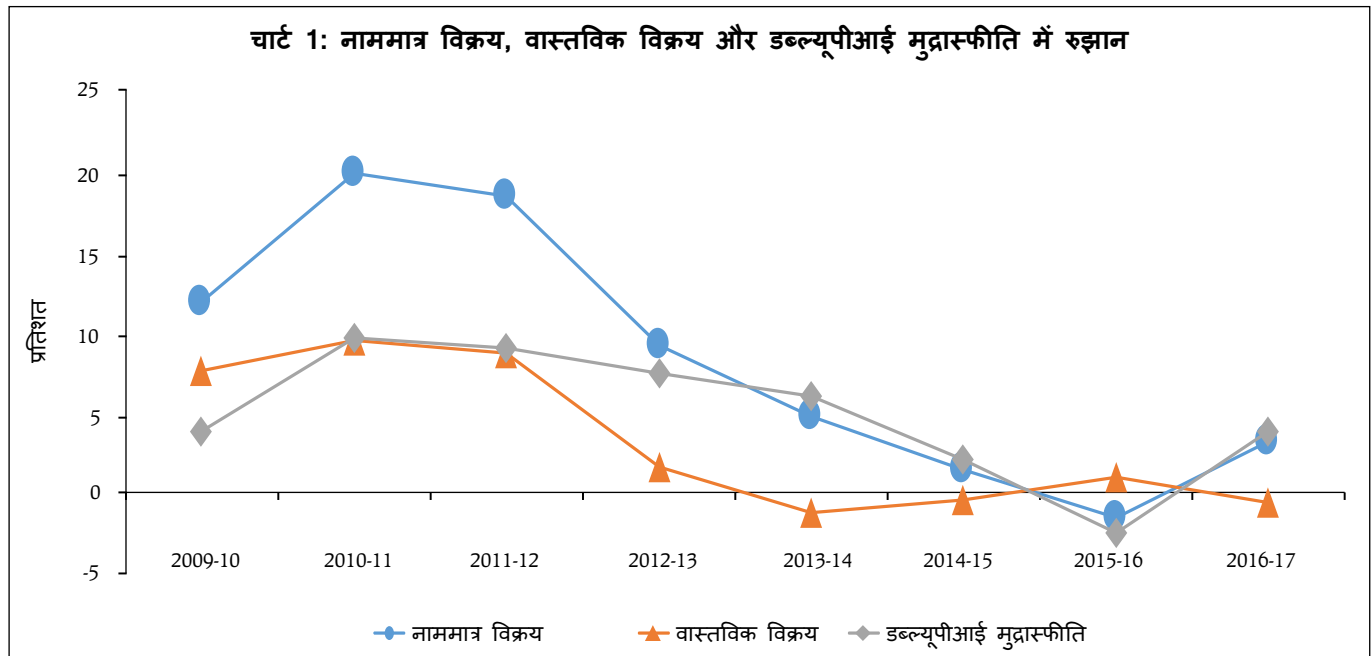
सारणी 1: सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर - वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन

संकेतक	2015-16		2016-17	
	राशि बिलियन ₹ में	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि प्रतिशत में	राशि बिलियन ₹ में	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि प्रतिशत में
कंपनियों की संख्या	2,932		3,007	
बिक्री	29,898	-1.6	31,316	3.1
उत्पादन का मूल्य	29,814	-2.4	31,516	4.0
व्यय, जिसमें से	25,269	-4.4	26,620	3.8
कच्चा माल	11,726	-12.4	12,300	4.8
स्टाफ लागत	2,905	13.1	3,306	8.7
बिजली और ईंधन	1,051	-7.1	977	-1.2
परिचालन लाभ	4,545	10.2	4,896	5.4
अन्य आय	918	-2.4	1,036	5.9
ईबीआईटीडीए	5,463	7.9	5,932	5.5
मूल्यहास	1,226	5.0	1,375	6.4
सकल लाभ (ईबीआईटी)	4,238	8.8	4,557	5.2
ब्याज	1,310	5.0	1,421	4.8
ईबीटी (एनओपी के पहले)	2,927	10.5	3,136	5.4
कर प्रावधान	779	2.2	834	1.5
निवल लाभ	1,966	9.3	2,048	11.2

टिप्पणी : ईबीआईटीडीए: ब्याज कर मूल्यहास एवं परिशोधन पूर्व अर्जन।
ईबीटी: कर पूर्व अर्जन

में तेजी के बावजूद उत्पादन को बेहतर मूल्यन प्राप्त हुआ। समग्र खर्च में हुई तीव्र वृद्धि के कारण परिचालनगत लाभों और सांकेतिक (जीवीए) वृद्धि में कमी आई/बाधा उत्पन्न हुई। वस्तुतः, अन्य/गैर-परिचालनगत आय के कारण कॉर्पोरेट मार्जिन में इजाफा हुआ (सारणी 1 और सारणी 2)।

चार्ट 1: नाममात्र विक्रय, वास्तविक विक्रय और डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में रुझान



सारणी 2: सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर वित्तीय कंपनियों के महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड

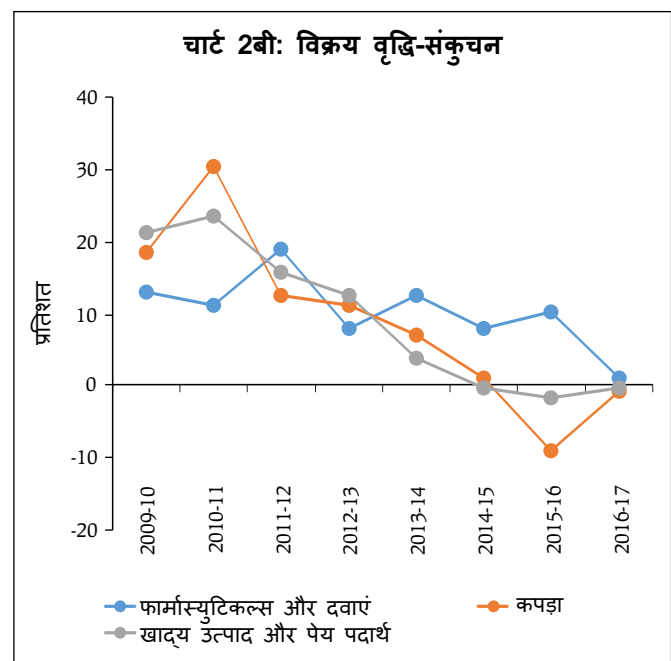
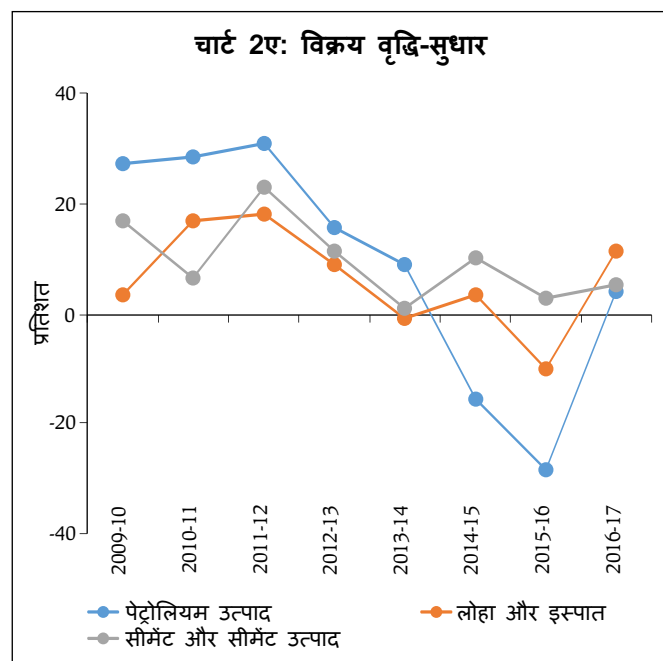
(प्रतिशत)

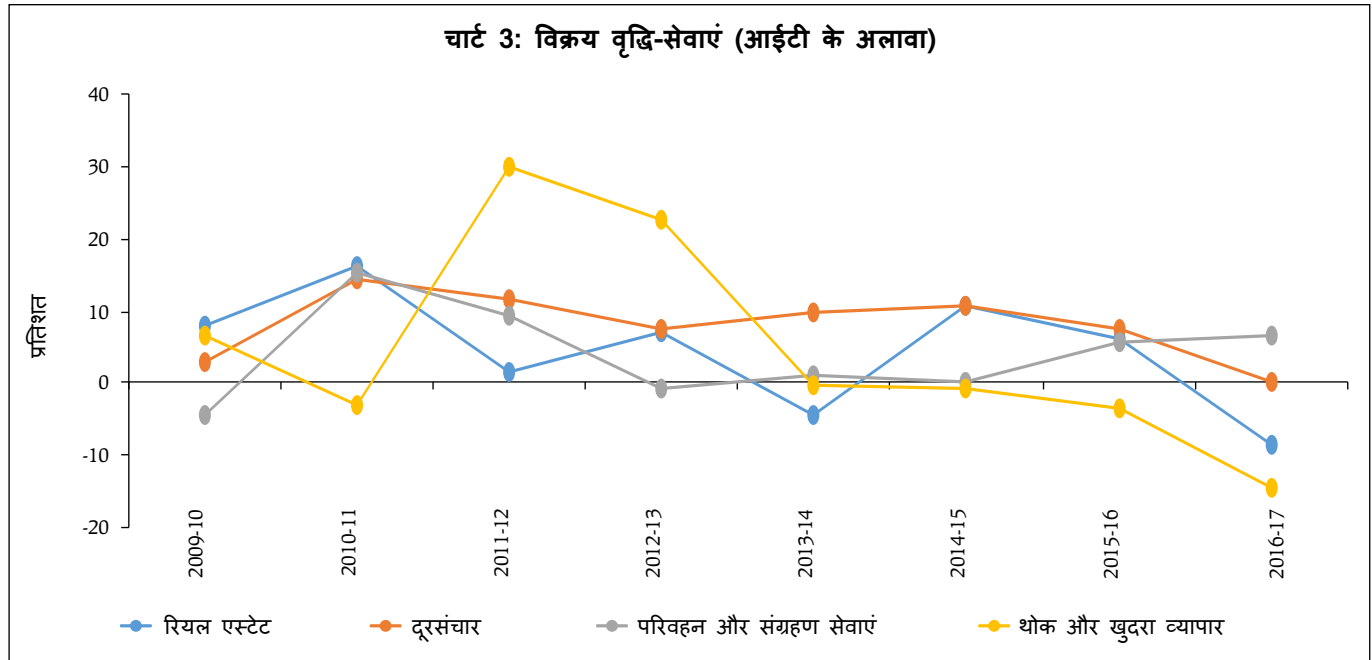
अवधि	कंपनियों की संख्या	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	व्यय वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन
	1	2	3	4	5	6	7	8
2009-10	2.629	11.7	19.2	9.6	26.6	28.8	16.9	9.4
2010-11	2.763	19.8	13.5	22.1	12.4	15.8	15.6	9.0
2011-12	2.679	18.5	9.1	20.7	1.7	-16.8	13.5	6.4
2012-13	2.931	9.1	8.0	9.6	3.5	-2.0	12.9	5.9
2013-14	2.854	4.7	6.6	4.2	2.3	-5.1	12.8	5.8
2014-15	2.925	1.4	8.0	0.7	5.3	-0.7	13.6	5.9
2015-16	2.932	-1.6	9.7	-4.4	10.2	9.3	15.2	6.6
2016-17	3.007	3.1	6.6	3.8	5.4	11.2	15.6	6.5

मुख्य उद्यमों, लौह और स्टील, पेट्रोलियम उत्पादों और सीमेंट एवं सीमेंट उत्पादों ने विनिर्माण क्षेत्र के निष्पादन को तेजी प्राप्त जबकि फार्मास्युटिकल कंपनियों और खाद्य उत्पादों एवं पेय उद्योगों की बिक्री में गिरावट आई (चार्ट 2ए, चार्ट 2बी और सारणी 3)।

हालांकि फार्मास्युटिकल कंपनियों और खाद्य उत्पादों एवं पेय उद्योगों के मामले में 2015-16 में बिक्री में दर्ज की गई गिरावट से 2016-17 में बाहर आया जा चुका है।

भू-संपदा क्षेत्र और थोक तथा खुदरा व्यापार कंपनियों के खराब निष्पादन के कारण सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र की समग्र बिक्री में कमी दर्ज की गई। दूरसंचार उद्योग का सिकुड़ता हुआ राजस्व भी चिंता के सबब बना है। सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र के परिचालनगत (और निवल) लाभों में गिरावट आई क्योंकि दूरसंचार कंपनियों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। इसके विपरीत, परिवहन और भंडारण सेवा तथा अस्पताल सेवा उद्यमों की बिक्री में तेजी दर्ज की





गई। आईटी क्षेत्र की विक्रय वृद्धि में धीमापन सामने आया 2015-16 में स्टाफ-लागत में हुई तीव्र वृद्धि कायम नहीं रह पाई (चार्ट 3 और सारणी 3)।

आईटी क्षेत्र में बिक्री की तुलना में स्टाफ लागतों का अनुपात बढ़ा और यह 2009-10 के बाद से अब अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा (चार्ट 4) और इस प्रकार क्षेत्र की

लाभप्रदता में गिरावट आई। दूरसंचार उद्योग के कारण सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र का शुद्ध लाभ मार्जिन ऋणात्मक हो गया।

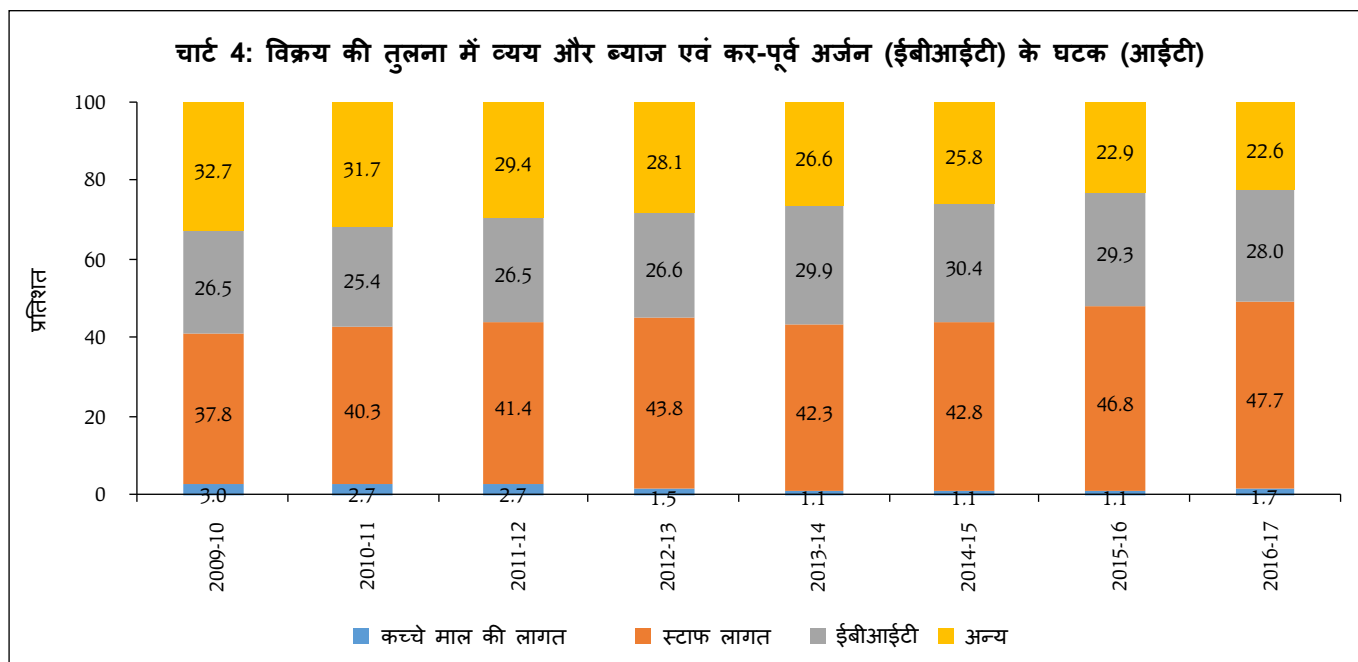
विनिर्माण कंपनियों के मामले में आरक्षित निधियों और अधिशेष में वृद्धि तथा व्यापार से होनी वाली आय निधि के प्रमुख स्रोत थे। गत वर्ष, सहायक कंपनियों में विनिवेश

सारणी 3: सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के क्षेत्रवार कार्यनिष्पादन के मानदंड

(प्रतिशत)

अवधि	विनिर्माण						सेवाएँ (गैर -आईटी)						आईटी					
	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
2009-10	12.9	27.4	33.1	44.2	15.8	8.5	3.6	-9.6	-1.8	-42.5	13.7	4.7	5.6	9.7	18.9	18.0	27.5	21.4
2010-11	22.4	11.9	11.7	20.0	14.3	8.2	8.5	18.2	17.6	25.3	14.3	5.4	16.9	18.1	13.5	14.4	25.8	19.8
2011-12	18.7	5.9	-0.1	-22.1	11.9	5.4	15.3	3.5	-3.9	-48.0	12.4	2.1	21.8	24.9	16.1	23.0	24.7	20.1
2012-13	8.8	6.6	2.7	2.2	11.3	5.3	11.5	10.5	11.0	-36.1	12.8	1.4	14.0	17.5	18.3	8.9	25.4	19.3
2013-14	4.2	4.0	0.0	-7.1	10.9	4.9	2.6	-4.2	-15.4	-71.7	11.6	1.2	20.4	22.5	29.1	25.7	28.2	21.1
2014-15	0.4	5.4	3.3	-7.8	11.5	4.5	3.7	23.4	38.1	\$	13.6	2.7	10.7	11.8	6.6	8.1	26.8	21.3
2015-16	-3.7	7.5	9.6	12.6	13.0	5.3	4.9	8.2	21.9	-16.9	21.0	5.0	11.3	16.3	11.9	14.5	26.6	22.5
2016-17	4.2	10.6	12.2	28.0	14.1	6.5	-1.5	-2.0	-7.7	-114.5	19.2	-0.9	9.4	8.7	8.0	8.7	25.5	21.0

टिप्पणी: अनुपात/वृद्धि दर, जिसके लिए हर नकारात्मक है, की गिनती नहीं की जाती और उसे '\$' दर्शाया गया है।



करने एवं माल सूची को बेचने के जरिए भारी निधि जुटाई गई (सारणी 4)।

विनिर्माण कंपनियों ने अपने दीर्घ-कालिक कर्ज संबंधी दायित्वों को कम करने के लिए जुटाई गई निधि का लगभग 15 प्रतिशत उपयोग किया, जो दर्शाता है कि आस्तियों की बहुतायत में तेजी से बिक्री की गई है, जिसके परिणामस्वरूप अचल आस्ति निर्माण में भी तेज गिरावट आई। बाकी निधि का उपयोग वित्तीय आस्तियों में निवेश करने एवं माल सूची के संचयन के लिए किया गया, ऐसा शायद कच्चे माल की बढ़ती कीमतों से बचाव के लिए किया गया।

2.1 वर्ष 2017-18 में कॉर्पोरेट के अब तक के कार्य-निष्पादन

2017-18 की पहली तिमाही में, बिक्री की वृद्धि में कमी और संपूर्ण व्यय में तेजी से वृद्धि की वजह से विनिर्माण क्षेत्र एवं पूरे कॉर्पोरेट क्षेत्र के परिचालन लाभ में गिरावट आई। इसके साथ-साथ 2017-18 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र के सांकेतिक जीवीए में भी गिरावट आई। तथापि, इनपुट लागतों में कमी आने एवं माल और सेवा कर (जीएसटी) को लागू करने की वजह से हुई हानि में सुधार के कारण 2017-18 की दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र के कार्य-निष्पादन के प्रमुख मानदंडों में बहाली देखने को मिली। 2017-18 की तीसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में मांग की स्थितियां और बेहतर हुईं, जैसा विक्रय की वृद्धि

से स्पष्ट है और यह सुधार अनुकूल आधारभूत प्रभाव के कारण नहीं है (सारणी 5)।

विमुद्रीकरण और जीएसटी लागू करने की वजह से सामयिक नुकसान पहुंचने के बावजूद सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों द्वारा माल सूची में कमी (डी-स्टॉक) और परिसमापन करने का कोई प्रमाण नहीं था। उपयोग आधारित दृष्टिकोण से मांग की स्थिति का विश्लेषण करने से पता चलता है कि 2017-18 की पहली तिमाही में निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की जीवीए वृद्धि ऋणात्मक हो गई लेकिन टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में स्थिर वृद्धि दर्ज की गई। विमुद्रीकरण के बाद निर्माण वस्तुओं की वास्तविक बिक्री और सांकेतिक जीवीए वृद्धि में गिरावट आई, लेकिन गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में अधिक स्पष्ट प्रभाव देखने को मिला, जिसमें बिक्री और सांकेतिक जीवीए कम हुआ। विनिर्माण कंपनियों द्वारा अचल आस्तियों में कम निवेश पूंजीगत वस्तुओं की कमजोर मांग में परिलक्षित हुआ, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के जीवीए में लगातार कमी आई। ति3:2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र में सांकेतिक जीवीए वृद्धि की बहाली को प्राथमिक, मध्यम, निर्माण वस्तुओं तथा टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं में सहायता मिली। 2017-18 की पहली छमाही में बिक्री तथा पूंजीगत वस्तुओं का सांकेतिक जीवीए, दोनों विनिर्माण क्षेत्र में अचल आस्ति निवेश के अनुरूप रहे।

सारणी 4: निधियों के स्रोत और उपयोग: विनिर्माण क्षेत्र (प्रतिशत में)					
निधि का स्रोत			निधि का उपयोग		
समयावधि	2015-16	2016-17	समयावधि	2015-16	2016-17
देयताओं में वृद्धि द्वारा			आस्तियों में वृद्धि द्वारा		
शेयर पूंजी	0.5	-	कुल अप्रचलित आस्तियाँ	68.8	53.9
आरक्षित और अधिशेष	27.0	47.2	-चल आस्तियाँ (तहसिल या क तगीजूप)	42.8	19.8
शेयर वारंट पर प्राप्त मुद्रा	-	0.1	-अप्रचलित निवेश	11.9	30.5
आबंटन के लिए लंबित शेयर आवेदन पर प्राप्त मुद्रा	-	0.2	-आस्थगित कर आस्तियाँ	1.5	1.9
कुल अप्रचलित देयताएँ	6.7	1.6	-दीर्घावधि ऋण और अग्रिम	-	1.7
-दीर्घावधि उधारियाँ	1.0	-	-अन्य अप्रचलित आस्तियाँ	12.6	-
-कर देयताओं में अंतर	2.6	1.0	कुल चालू आस्तियाँ	20.5	27.4
-दीर्घावधि प्रावधान	-	0.7	-वर्तमान निवेश	0.8	12.2
-अन्य दीर्घावधि देयताएँ	3.0	-	-इन्वेन्टरीज	-	9.8
कुल चालू देयताएँ	27.0	49.1	-व्यापार में प्राप्य राशियाँ	4.1	2.8
-अल्पावधि उधारियाँ	8.5	10.0	-नकदी और नकदी समान	-	1.8
-व्यापार देय	-	18.2	-अन्य चालू आस्तियाँ	15.7	0.7
-अल्पावधि प्रावधान	-	1.4	अन्य आस्तियाँ	0.8	1.6
-अन्य चालू देयताएँ	18.4	19.5			
अन्य-इक्विटी और देयताएँ	-	0.6			
कुल	61.2	98.8	कुल	90.1	82.8
आस्तियों में कमी के द्वारा			देयताओं में कमी के द्वारा		
कुल अप्रचलित आस्तियाँ	16.3	0.4	शेयर पूंजी	-	1.1
-दीर्घावधि ऋण और अग्रिम	16.3	-	शेयर वारंट से प्राप्त मुद्रा	0.1	-
-अन्य अप्रचलित आस्तियाँ	-	0.4	आबंटन के लिए लंबित शेयर आवेदन मुद्रा	0.4	-
कुल चालू आस्तियाँ	22.5	0.8	कुल अप्रचलित देयताएँ	1.3	16.0
-माल-सूची (इन्वेन्टरी)	5.0	-	दीर्घावधि उधारियाँ	-	14.8
-नकदी और नकदी समान	0.9	-	-दीर्घावधि प्रावधान	1.3	-
-अल्पावधि ऋण और अग्रिम	16.6	0.8	-अन्य दीर्घावधि देयताएँ	-	1.3
			कुल चालू देयताएँ	8.0	-
			-व्यापार देय	0.2	-
			-अल्पावधि प्रावधान	7.8	-
			अन्य इक्विटी और देयताएँ	0.1	-
कुल	38.8	1.2	कुल	9.9	17.2
कुल जोड़	100.0	100.0	कुल जोड़	100.0	100.0

टिप्पणी: 1780 सामान्य विनिर्माण कंपनियों के आधार पर।

निधियों के उपयोग द्वारा कुल स्रोतों और आंकड़ों को सामान्य कृत बनाया गया है। ' ' कुछ नहीं प्रविष्टि दर्शाता है।

3. कॉर्पोरेट जोखिम रूपरेखा

200 प्रतिशत से अधिक लीवरेज अनुपात और 1 से कम (ऋणात्मक निवल मालियत वाली कंपनियों सहित) आईसीआर (ब्याज कवरेज अनुपात) वाली कंपनियों में, कपड़ा एवं दूरसंचार कंपनियों कमजोर नजर आईं और इन उद्योगों में 2016-17 में जोखिम वाले कर्ज काफी बढ़े।

'अस्थिर' निर्माण कंपनियों द्वारा धारित कर्ज का हिस्सा भी बढ़ गया (सारणी 4)।

बाकी सैम्पल की तुलना में, विनिर्माण कंपनियों में अत्यधिक ऋणग्रस्त कंपनियों (अर्थात्, 2015-16 में जिनका कर्ज इक्विटी अनुपात 200 प्रतिशत से अधिक और कुल आस्तियों में कर्ज का अनुपात 50 प्रतिशत से अधिक है)

सारणी 5: गैर सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के कार्यनिष्पादन : 2017-18 की तीसरी तिमाही

(प्रतिशत)

मद	वि.व.17 ति1	वि.व.17 ति2	वि.व.17 ति3	वि.व.17 ति4	वि.व.18 ति1	वि.व.18 ति2	वि.व.18 ति3
सभी कंपनियाँ							
कंपनियों की सं	2,775	2,702	2,784	2,726	2,744	2,701	2,705
वर्ष -दर- वर्ष वृद्धि							
बिक्री	0.1	1.9	2.8	7.2	7.6	7.2	11.3
व्यय	-1.4	1.3	5.0	9.1	11.0	5.9	10.9
परिचालन लाभ	9.6	5.5	7.6	2.1	-10.0	5.0	7.2
जीवीए	9.3	8.0	7.6	2.3	-2.3	4.4	6.5
ब्याज	5.8	0.0	11.4	-1.6	-1.5	8.1	-5.8
निवल लाभ	11.2	16.0	24.6	-6.9	-21.2	-23.1	6.0
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	17.0	16.6	15.9	14.4	14.0	15.7	15.4
बिक्री के लिए निवल लाभ	7.5	8.7	6.8	4.6	5.5	5.8	6.7
विनिर्माण							
कंपनियों की सं	1,804	1,775	1,818	1,747	1,759	1,738	1,743
वर्ष -दर- वर्ष वृद्धि							
बिक्री	-1.0	3.7	4.9	10.2	8.9	9.5	14.0
व्यय	-2.6	2.9	7.6	11.2	12.4	6.4	12.3
परिचालन लाभ	12.0	10.4	16.2	14.2	-12.0	11.2	14.0
जीवीए	12.0	11.2	13.8	9.2	-5.4	8.3	10.1
ब्याज	2.0	-2.3	7.6	-8.0	-3.4	14.3	-1.8
निवल लाभ	28.8	27.5	57.5	22.2	-33.6	-4.0	-2.4
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	15.2	14.7	14.3	13.2	12.2	14.6	14.4
बिक्री के लिए निवल लाभ	7.2	7.9	6.2	6.0	4.4	6.4	5.7
सेवाएँ (गैर-आईटी)							
कंपनियों की संख्या	493	508	514	498	501	494	485
वर्ष -दर- वर्ष वृद्धि							
बिक्री	-0.3	-3.5	-4.6	-2.9	4.1	-2.5	1.6
व्यय	-1.8	-5.7	-3.2	3.4	10.4	2.6	4.4
परिचालन लाभ	6.1	4.3	-8.9	-25.7	-17.8	-22.7	-11.9
जीवीए	7.1	5.3	-4.5	-18.7	-10.1	-14.2	-2.3
ब्याज	32.9	11.5	32.1	3.8	2.7	16.9	-7.6
निवल लाभ	-38.9	-3.7	-17.5	@	-66.6	@	-27.6
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	21.7	21.0	19.7	17.7	16.4	15.6	16.5
बिक्री के लिए निवल लाभ	4.1	6.3	4.5	-18.9	1.7	-10.7	3.4
IT							
कंपनियों की संख्या	188	177	187	181	180	175	171
वर्ष -दर- वर्ष वृद्धि							
बिक्री	11.2	7.2	7.3	4.8	2.9	4.4	5.3
व्यय	11.8	8.2	7.8	4.7	4.2	4.5	5.7
परिचालन लाभ	10.1	2.2	6.0	4.4	-1.4	4.6	3.9
जीवीए	9.6	7.4	6.8	4.2	5.3	4.8	6.2
ब्याज	-11.0	-31.5	2.2	9.0	-12.1	-0.3	-35.0
निवल लाभ	7.5	4.8	9.8	2.2	9.3	5.8	17.4
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	25.7	25.8	26.0	24.9	24.7	25.8	25.7
बिक्री के लिए निवल लाभ	20.8	21.8	21.4	20.2	22.4	22.0	24.1

टिप्पणी: किसी भी अवधि की वृद्धि दर की गणना करते समय, वर्तमान और पिछली अवधि में समान कंपनियों को ध्यान में लिया गया है। जिस अनुपात का हर नगण्य है उसकी गिनती नहीं की जाती और उसे '@' द्वारा दर्शाया गया है।

सारणी 6: जोखिमयुक्त कर्ज - सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियाँ - उद्योगवार

	टेक्सटाइल				दूरसंचार				निर्माण			
	कुल कर्ज (₹ बिलियन)	आघात योग्य कंपनियों की संख्या	जोखिमयुक्त (₹ बिलियन)	जोखिमयुक्त कर्ज का हिस्सा (प्रतिशत)	कुल कर्ज (₹ बिलियन)	आघात योग्य कंपनियों की संख्या	जोखिमयुक्त (₹ बिलियन)	जोखिमयुक्त कर्ज का हिस्सा (प्रतिशत)	कुल कर्ज (₹ बिलियन)	आघात योग्य कंपनियों की संख्या	जोखिमयुक्त (₹ बिलियन)	जोखिमयुक्त कर्ज का हिस्सा (प्रतिशत)
कंपनियों की संख्या	256				11				144			
अवधि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
2014-15	728	52	187	25.7	782	4	141	18.0	1007	19	289	28.7
2015-16	824	53	360	43.7	1258	4	174	13.8	1092	25	357	32.7
2016-17	831	54	457	55.0	1566	5	724	46.2	1086	25	404	37.1

टिप्पणी: कुल कर्ज अल्पावधि और दीर्घावधि उधारियों का योग है।

कमजोर कंपनियों द्वारा धारित कर्ज को जोखिम वाले कर्ज के रूप में परिभाषित किया गया है।

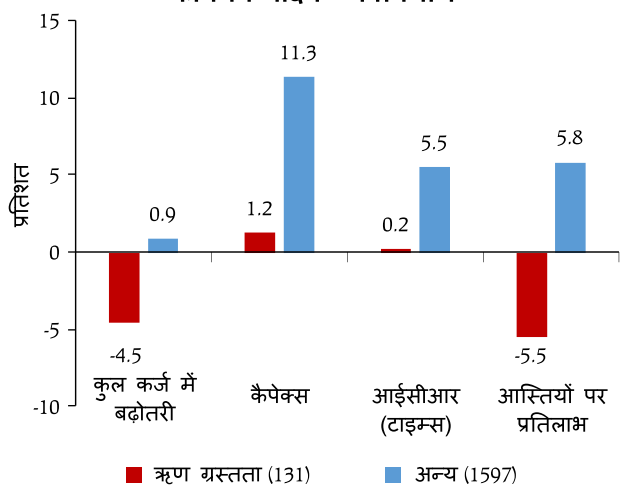
के कार्य-निष्पादन में स्पष्ट अंतर पाया गया। यद्यपि, 2016-17 में ऋणग्रस्त विनिर्माण कंपनियों ने अपने कर्ज स्तर को कम किया, लेकिन अचल आस्तियों में निवेश (कैपेक्स), कर्ज की चुकौती (आईसीआर) एवं लाभप्रदता (आस्तियों पर प्रतिलाभ) के संदर्भ में उनका प्रदर्शन कमजोर था (चार्ट 5ए)।

दूसरी तरफ, ऋणग्रस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों का कर्ज का स्तर बढ़ने की वजह से कर्ज की चुकौती एवं लाभप्रदता पर खराब असर पड़ा। इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के लिए नए कर्ज जारी करना मुख्य रूप से आरंभ किए हुए कार्य की

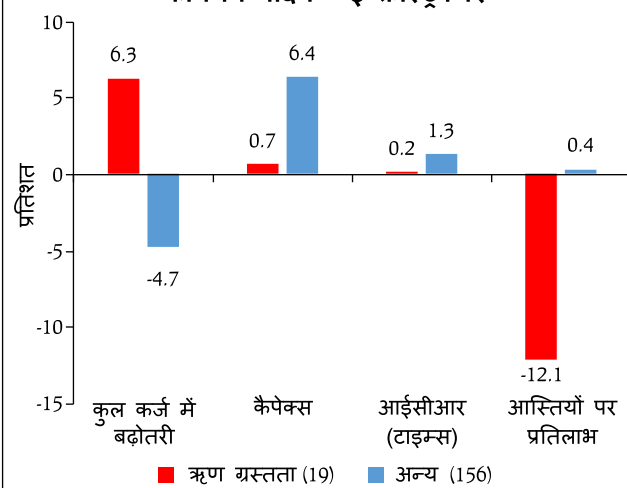
आंतरिक प्रतिलाभ दर (आईआरआर) द्वारा निर्धारित होती है (चार्ट 5बी)।

इस क्षेत्र में, लगातार क्षमता के कम उपयोग तथा समग्र डीलीवरेजिंग को देखते हुए सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों ने अपने निवेशों का रुख अचल आस्तियों से अलग कर वित्तीय आस्तियों की ओर किया। इस परिप्रेक्ष्य में, इस भाग में 2015-16 और 2016-17 में इन कंपनियों के निवेश के स्वरूप का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है, जिसे कर्ज की चुकौती (आईसीआर) एवं सीयू के अनुसार वर्गीकृत किया

चार्ट 5ए: 2016-17 में ऋण ग्रस्तता पर आधारित कार्य-निष्पादन - विनिर्माण

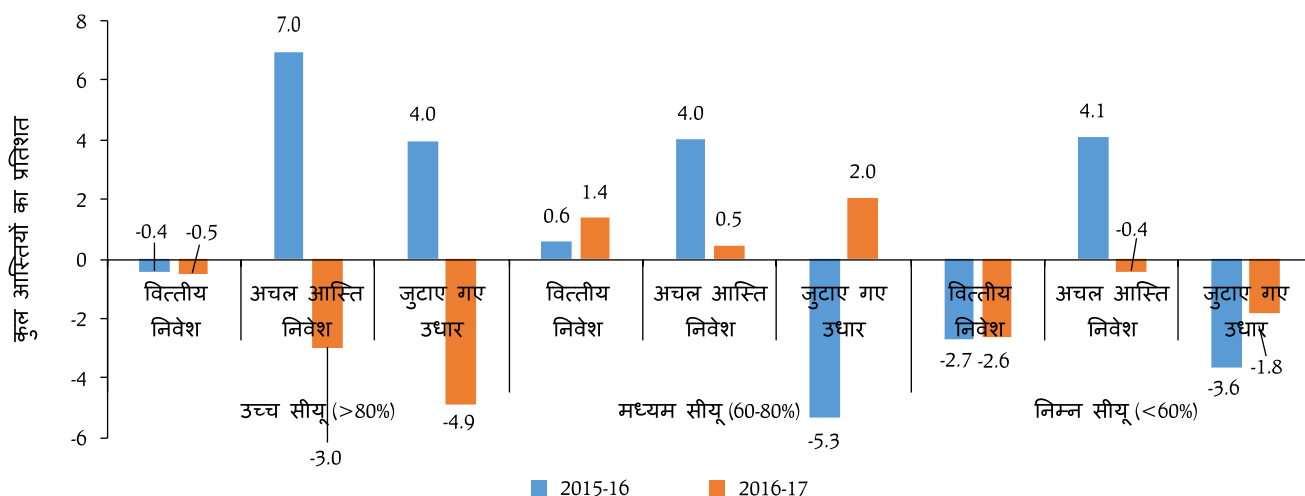


चार्ट 5बी: 2016-17 में ऋण ग्रस्तता पर आधारित कार्य-निष्पादन - इन्फ्रास्ट्रक्चर



टिप्पणी: कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े प्रत्येक समूह में कंपनियों की संख्या को दर्शाते हैं। कुल कर्ज को दीर्घकालिक और अल्पकालिक उधार के जोड़ के रूप में परिभाषित किया गया है। कैपेक्स का हिसाब इस प्रकार किया जाता है [निवल अचल आस्तियां (चालू वर्ष) - निवल आस्तियां (गत वर्ष) + मूल्यहास (चालू वर्ष)]/ निवल अचल आस्तियां (गत वर्ष)।

चार्ट 6ए: वित्तीय दबावग्रस्त कंपनियाँ (2014-15 में आईसीआर<1)



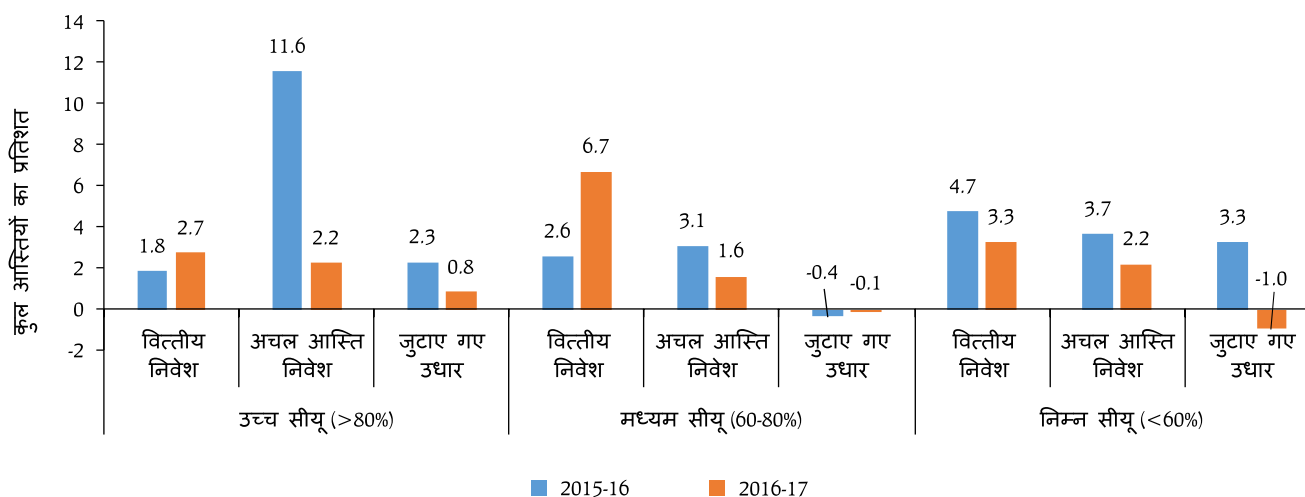
टिप्पणी: वित्तीय निवेश, अचल आस्ति निवेश और जुटाए गए कुल उधारों की गणना पिछले तीन वर्षों यानी, 2014-15 से 2016-17 के दौरान 1,639 सामान्य विनिर्माण कंपनियों के निधियों के स्रोतों और उपयोगों से की जाती है। सीयू श्रेणियों में कंपनियों का वर्गीकरण एनआईसी (राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण) भीतर सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों के सीयू को टैग करने के लिए प्रॉक्सी के रूप में उपयोग किए गए सीयू श्रेणियों के साथ रिजर्व बैंक के आदेश बही, माल-सूची और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूस) पर आधारित है जो 2014-15 आधार वर्ष में 2 अंकों के स्तर वाले उद्योग उच्च, मध्यम या निम्न के रूप में होंगे।

गया है। इस प्रकार, आधार वर्ष 2014-15 में, एनजीएनएफ सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों को सीयू की तीन श्रेणियों (उच्च/मध्यम/निम्न) और कर्ज चुकौती (आईसीआर<1 या आईसीआर>=1) की दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

दबावग्रस्त कंपनियों (2014-15 में आईसीआर<1 वाली) ने अचल और वित्तीय आस्तियों में अपने निवेश को 2016-17 में बेच दिया; उनमें से, उच्चतर सीयू वाली कंपनियों ने अचल आस्तियों को बेचना बेहतर समझा जबकि निम्न सीयू वाली कंपनियों ने वित्तीय आस्तियों को बेचा (चार्ट 6ए)।

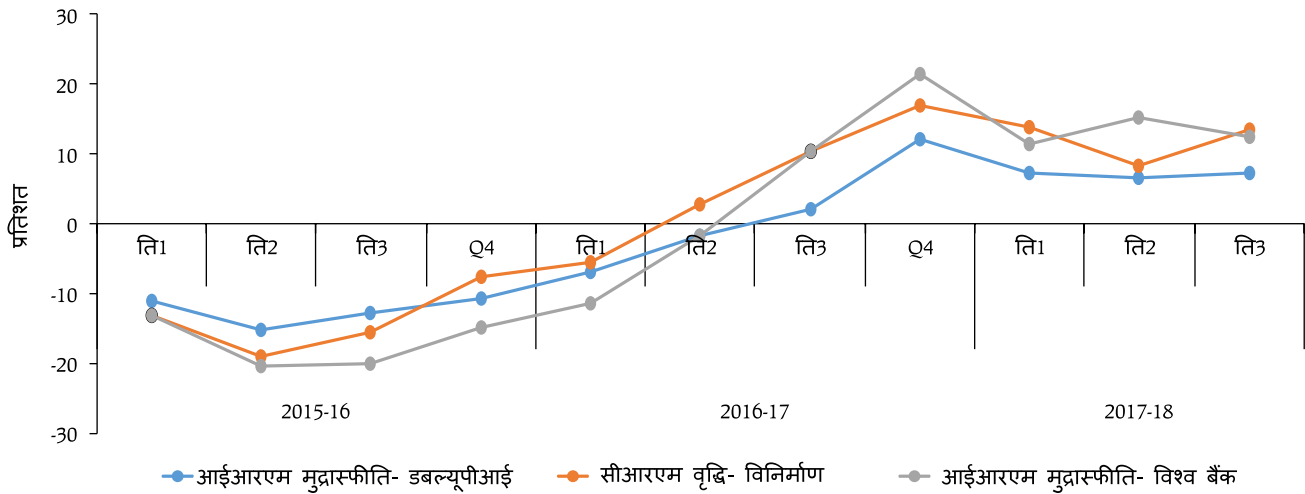
यह पाया गया कि आधार वर्ष अर्थात, 2014-15 में आईसीआर>=1 वाली कंपनियां 2016-17 में सभी सीयू श्रेणियों में अचल आस्तियों के बजाए वित्तीय आस्तियों में ज्यादा निवेश कर रही थीं, जो कि मध्यम सीयू कंपनियों से बिल्कुल अलग था। उच्च सीयू श्रेणी वाली कंपनियों ने भी विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2016-17 में अचल आस्तियों में अपने निवेश को कम कर दिया (चार्ट 6बी)।

चार्ट 6बी: अन्य कंपनियाँ (2014-15 में आईसीआर≥1)



टिप्पणी: वित्तीय निवेश, अचल आस्ति निवेश और जुटाए गए कुल उधारों की गणना पिछले तीन वर्षों यानी, 2014-15 से 2016-17 के दौरान 1,639 सामान्य विनिर्माण कंपनियों के निधियों के स्रोतों और उपयोगों से की जाती है। सीयू श्रेणियों में कंपनियों का वर्गीकरण एनआईसी (राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण) भीतर सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों के सीयू को टैग करने के लिए प्रॉक्सी के रूप में उपयोग किए गए सीयू श्रेणियों के साथ रिजर्व बैंक के आदेश बही, माल-सूची और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूस) पर आधारित है जो 2014-15 आधार वर्ष में 2 अंकों के स्तर वाले उद्योग उच्च, मध्यम या निम्न के रूप में होंगे।

चार्ट 7: विनिर्माण सीआरएम वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू औद्योगिक कच्चा माल मुद्रास्फीति



टिप्पणी: आईआरएम में प्राथमिक गैर-खाद्य वस्तुओं (फूलों की खेती को छोड़कर), खनिज, कोयले, विमानन टरबाइन ईंधन, उच्च गति डीजल, नेफथा, बिटुमेन, फर्नेस तेल, ल्यूब तेल, खोई, कपड़े के सूत की तैयारी और कटाई तथा डब्ल्यूपीआई से मूल धातुओं का विनिर्माण शामिल है। आईआरएम-वर्ल्ड बैंक का समय सूचकांक कृषि से संबंधित कच्चे माल एवं धातुओं और खनिजों के सूचकांक से लिया गया है।

4. विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की लागत में संचलन

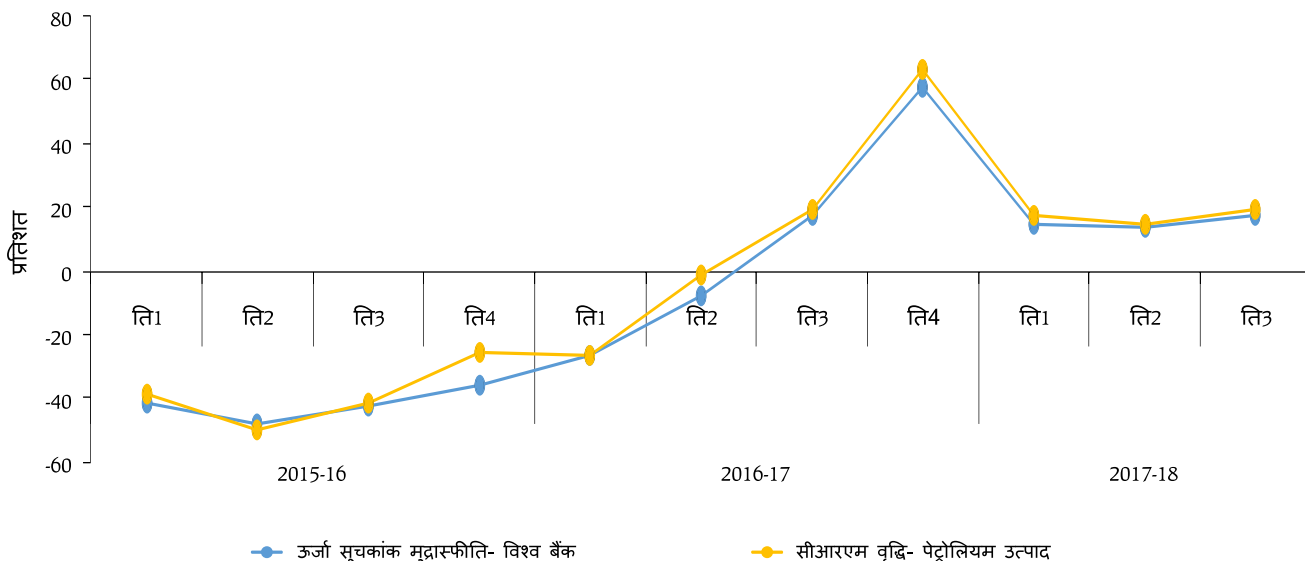
पिछली तिमाही में अधिकतम पर पहुँचने के बाद तिमाही1: 2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र में कच्चे माल की लागत (सीआरएम) में वृद्धि जारी रही, जिससे इस क्षेत्र के सांकेतिक जीवीए और परिचालनगत लाभ कम हुए। विनिर्माण कंपनियों द्वारा वहन की गई इनपुट लागत के ति3: 2017-18 तक भी कम होने के आसार नहीं थे, जो

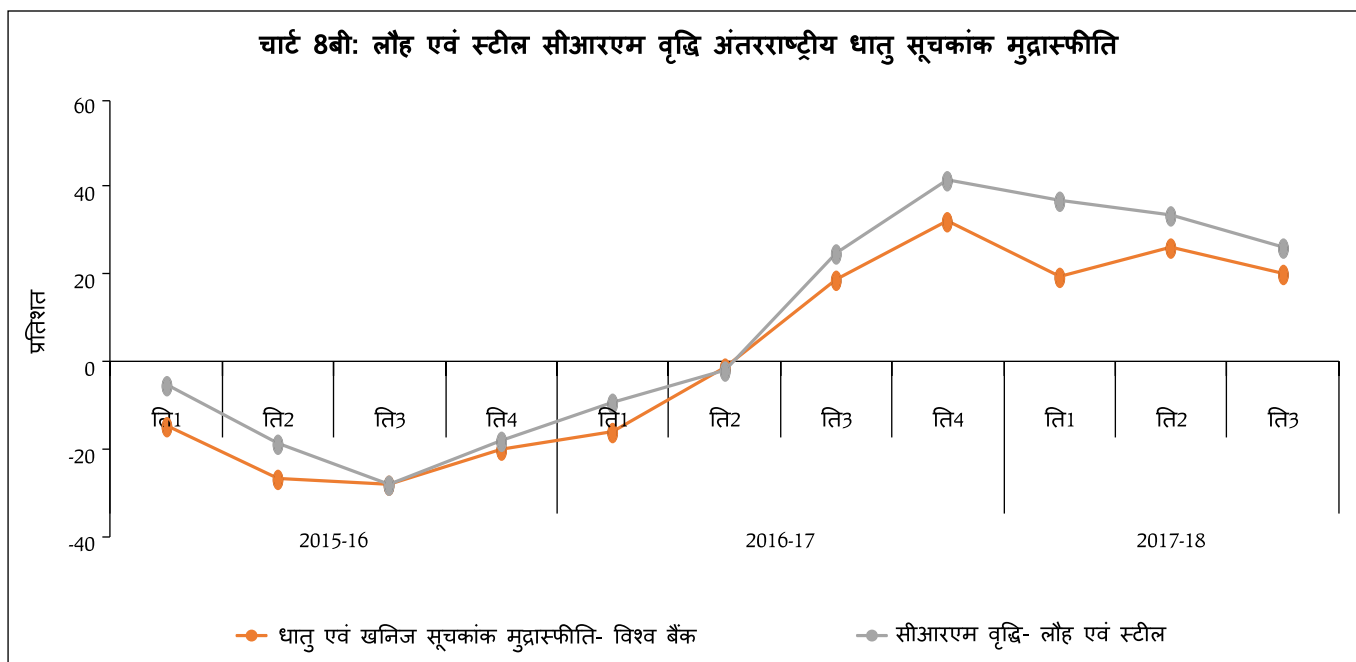
घरेलू और अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक कच्चे माल (आईआरएम) की स्फीति के मजबूत होने के अनुरूप था। (चार्ट 7)।

उद्योग में सीआरएम वृद्धि के पृथक्करण से पता चलता है कि ति3: 2017-18 में इसका एक बड़ा हिस्सा मोटर वाहन, लोहा एवं इस्पात, और पेट्रोलियम उत्पाद उद्योगों से उत्पन्न हुआ है।

उत्पादन के लिए धातु और कच्चे पेट्रोलियम का आयात करने वाले उद्योगों की सीआरएम वृद्धि गतिविधि

चार्ट 8ए: पेट्रोलियम सीआरएम वृद्धि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सूचकांक मुद्रास्फीति





अंतरराष्ट्रीय धातु और ऊर्जा सूचकांक मुद्रास्फीति के अनुसार ही चली (चार्ट 8ए एवं 8बी)।

5. निष्कर्ष

वर्ष 2016-17 में कॉर्पोरेट क्षेत्र की विक्रय संवृद्धि में आई बहाली मजबूत हुई और चालू वर्ष में अब तक जारी है। विनिर्माण क्षेत्र की सांकेतिक जीवीए वृद्धि इनपुट लागत दबाव के कारण ति1: 2017-18 में नकारात्मक हो गई थी और उत्पादन की स्थिर वृद्धि के कारण यह बहाल हुई। जहां विमुद्रीकरण से टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं और गैर-टिकाऊ वस्तुओं की मांग प्रभावित हुई, वहीं टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री अस्थायी गिरावट के बाद फिर से बहाल हो गई और गैर-टिकाऊ उपभोक्ता कंपनियों की सेहत में सुधार के कोई संकेत नहीं थे। विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता के कम उपयोग के कारण काफी डीलीवरेजिंग हुई और अचल आस्तियों में निवेश कम हुआ, क्योंकि कंपनियों ने वित्तीय और चलनिधि आस्तियों में निवेश को तरजीह दी। अत्यधिक कर्ज में डूबी विनिर्माण कंपनियों द्वारा डीलीवरेज किए जाने का रूपान्तरण आगामी वर्षों में इस क्षेत्र की बेहतर जोखिम प्रोफाइल में होना चाहिए। तथापि, स्वस्थ कंपनियों द्वारा अचल आस्तियों के बजाए अन्य निवेश चैनलों को तरजीह दिया जाना शायद अर्थव्यवस्था में लेनदेन लागत के उद्देश्य और उधार की कम मांग की ओर संकेत करते हैं। सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों ने छमाही1: 2017-18 में

मौजूदा आस्तियों को कम कर दिया है और दीर्घकालिक निवेश को बढ़ा दिया है, जो संभवतः पूंजीगत व्यय चक्र में बहाली की ओर संकेत कर रहा है। आने वाली तिमाहियों में निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रदर्शन के लिए मांग परिदृश्य में और सुधार महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इनपुट लागत दबावों से राहत के कोई संकेत नहीं हैं।

संदर्भ

1. Banca d'Italia (2017), *Financial Stability Report*, November.
2. Deutsche Bundesbank (2017), *Corporate Financial Statements*.
3. International Monetary Fund (2017), *Global Financial Stability Report*, April.
4. Reserve Bank of Australia (2017), *Conditions in China's Listed Corporate Sector*, Bulletin June.
5. Reserve Bank of India (2011), *Compendium on Private Corporate Business Sector in India - Select Financial Statistics, 1950-51 to 2008-09*.
6. Securities and Exchange Board of India (2016), *Revised Formats for Financial Results and Implementation of Ind-AS by Listed Entities*.